कर्म क्षेत्र महाविद्यालय, इटावा

K.K.P.G. COLLEGE, ETAWAH

महाविद्यालय विकास योजना एक वर्षीय

सत्र 2025-26

यह एक वर्षीय विकास योजना महाविद्यालय की समग्र उन्नति, शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान संवर्धन, छात्र-कल्याण, आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण तथा सुशासन की स्थापना के उद्देश्य से तैयार की जा रही है। योजना का क्रियान्वयन चरणबद्ध, उत्तरदायित्व-आधारित एवं गुणवत्ता-केंद्रित होगा। इसकी सतत् अनुश्रवण व्यवस्था National Assessment and Accreditation Council (NAAC) के मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएगी।

1. शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन (Academic Enrichment)

प्रत्येक विभाग द्वारा वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर का निर्माण तथा उसका कठोर अनुपालन।

पाठ्यक्रम की इकाईवार शिक्षण-योजना (Unit-wise Teaching Plan) का प्रारूप तैयार कर विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदन।

शिक्षण में ICT का समावेशन—स्मार्ट कक्षाएँ, प्रोजेक्टर, ई-कंटेंट, LMS आदि का उपयोग।

छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों (Group Discussion, Seminar Presentation, Quiz, Assignment) का प्रयोग।

आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली को पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाना।

विषय-विशेषज्ञों के अतिथि व्याख्यान एवं अंतर-विभागीय संगोष्ठियों का आयोजन।

शिक्षकों के लिए उन्नयन कार्यक्रम—Refresher Course, Orientation Programme, FDP में सहभागिता हेतु प्रोत्साहन।

2. अनुसंधान, प्रकाशन एवं नवाचार (Research & Innovation)

अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (R&D Cell) की नियमित बैठकें एवं कार्ययोजना।

शिक्षकों को शोध-पत्रों के प्रकाशन हेतु प्रेरित करना—UGC Care, Peer Reviewed, Scopus सूचीबद्ध पत्रिकाएँ।

विद्यार्थियों हेतु लघु-शोध परियोजनाओं एवं प्रोजेक्ट वर्क की अनिवार्यता।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, वेबिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन।

पेटेंट, स्टार्टअप एवं नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा देना।

शोध-संबंधी डेटाबेस (Google Scholar, Shodhganga आदि) के उपयोग हेतु प्रशिक्षण।

अंतर्विषयी (Interdisciplinary) अनुसंधान को प्रोत्साहन।

3. छात्र-कल्याण एवं व्यक्तित्व विकास (Student Support & Progression)

मेंटर-मेंटी प्रणाली का सुदृढ़ संचालन—प्रत्येक शिक्षक को निश्चित संख्या में छात्र आवंटित।

कैरियर परामर्श एवं प्लेसमेंट सेल की सक्रियता; प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु मार्गदर्शन कक्षाएँ।

सॉफ्ट स्किल, व्यक्तित्व विकास एवं संचार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम।

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों हेतु छात्रवृत्ति एवं सहायता योजनाओं का पारदर्शी क्रियान्वयन।

NSS/NCC/रोवर्स-रेंजर्स इकाइयों के माध्यम से नेतृत्व एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास।

खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन।

छात्र शिकायत निवारण तंत्र एवं एंटी-रैगिंग समिति की सक्रियता।

4. आधारभूत संरचना एवं संसाधन विकास (Infrastructure Development)

पुस्तकालय में नवीन पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों एवं ई-रिसोर्स की वृद्धि।

प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण एवं उपकरणों का रख-रखाव।

परिसर में Wi-Fi, CCTV एवं स्मार्ट क्लासरूम की व्यवस्था।

स्वच्छ पेयजल, शौचालय, दिव्यांग-अनुकूल सुविधाओं का विकास।

हरित परिसर (Green Campus) अभियान—वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त परिसर।

ऊर्जा संरक्षण उपाय—LED लाइट, सौर ऊर्जा पैनल की स्थापना (संभाव्यता अनुसार)।

5. प्रशासनिक पारदर्शिता एवं गुणवत्ता आश्वासन (Governance & Quality Assurance)

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की नियमित बैठकें एवं कार्यवाही अभिलेख।

ई-गवर्नेंस प्रणाली—ऑनलाइन प्रवेश, शुल्क, परीक्षा एवं रिकॉर्ड संधारण।

वित्तीय पारदर्शिता हेतु नियमित ऑडिट एवं लेखा-प्रबंधन।

NAAC/NIRF/अन्य मूल्यांकन प्रक्रियाओं हेतु आवश्यक अभिलेखों का संधारण।

मानव संसाधन प्रबंधन—शिक्षकों एवं कर्मचारियों का समय-समय पर प्रशिक्षण।

6. सामुदायिक सहभागिता एवं विस्तार गतिविधियाँ (Extension & Outreach)

ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम।

स्थानीय उद्योगों/संस्थानों से शैक्षणिक सहयोग (MoU)।

पूर्व छात्र संघ (Alumni Association) का सुदृढ़ीकरण एवं वार्षिक बैठक।

सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम—स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर आदि।

क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण व्यवस्था

प्रत्येक गतिविधि हेतु उत्तरदायी समिति/प्रभारी का निर्धारण।

त्रैमासिक समीक्षा बैठक।

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन का संकलन।

आवश्यकतानुसार योजना में संशोधन एवं सुधार।

यह एक वर्षीय विकास योजना महाविद्यालय को गुणवत्तापरक शिक्षा, अनुसंधान उत्कृष्टता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में अग्रसर करने का एक संगठित प्रयास है। यदि समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थी समन्वित रूप से कार्य करें, तो निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित होगी तथा संस्थान की शैक्षणिक प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि होगी।